कृषि विज्ञान केंद्र, दिल्ली

(राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान)

नेफेड कॉम्प्लेक्स, उजवा, नई दिल्ली – 110 073

Mob. 9667971155 mail: kvkujwa@yahoo.com, Website: www.kvkdelhi.org

वैज्ञानिक पशुपालन सलाह

बौवाइन एपेहेमरल फीवर (BEF)

बौवाइन एपेहेमरल फीवर (BEF) : तीन दिन का बुखार, जिसे बौवाइन एपेहेमरल फीवर (BEF) के नाम से भी जाना जाता है, गाय और भैंसों में एक वायरल रोग है, जो तेज बुखार और अकड़न के साथ होता है। यह मुख्यतः मच्छरों और काटने वाली मक्खियों जैसे कीड़ों द्वारा फैलता है, और ज्यादातर गायों में देखा जाता है। गौशालाओं में BEF का प्रकोप होने की रिपोर्ट ज़्यादातर देखी गई है। प्राथमिक कदम: गौशाला प्रबंधन से कीटों और मच्छरों के नियंत्रण के लिए डिफॉगिंग या फिनाइल स्प्रे करने का आग्रह करें क्योंकि BEF एक वायरल और वेक्टर द्वारा संचारित रोग है। गायों की अस्थायी बुखार का निदान लगभग पूरी तरह से एक महामारी में नैदानिक लक्षणों पर आधारित है। रोकथाम इलाज से बेहतर है।

रोग की पहचानः

यह बीमारी आमतौर पर निम्नलिखित लक्षणों के साथ प्रकट होती है:

- **अचानक बुखार की शुरुआत**: प्रभावित जानवरों को उच्च बुखार महसूस हो सकता है, जो अक्सर 41 डिग्री सेल्सियस (लगभग 105.8 डिग्री फारेनहाइट) तक पहुँच जाता है।
- **लंगड़ापन और अकड़न**: गायों में कठोरता और अकड़न के लक्षण दिखाई दे सकते हैं, जिससे उनके लिए चलना मुश्किल हो जाता है।
- **नसिका और आंखों से डिस्चार्ज**: जानवरों में लार टपकने और पानीदार आंखों और नासिका डिस्चार्ज का लक्षण हो सकता है।
- **दूध उत्पादन में कमी**: दूध देने वाली गायों में, दूध की पैदावार में एक महत्वपूर्ण गिरावट अक्सर पहला स्पष्ट संकेत होती है।
- **अवसाद और भूख न लगना**: प्रभावित जानवर खाना और पीना बंद कर सकते हैं, उदास दिखाई देते हैं।

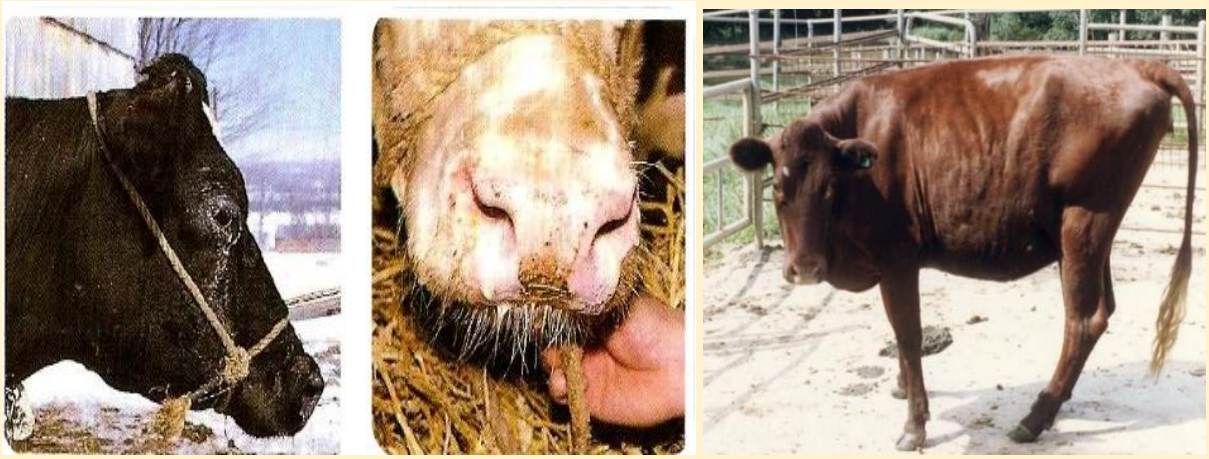

उपचार और रोकथाम :

- बोवाइन एपेमरल फीवर के लिए पूर्ण शारीरिक विश्राम सबसे प्रभावी उपचार है, और ठीक हो रहे जानवरों को तनाव नहीं देना चाहिए या काम नहीं कराना चाहिए क्योंकि पुनरावृत्ति की संभावना होती है।
- कीटों और मच्छरों के नियंत्रण के लिए डिफॉगिंग या फिनाइल स्प्रे करें।
- उचित एनएसएआईडी (NSAIDs) और दर्द निवारक, बीमार पशुधन के लिए प्रदान करें।
- एन.एस.ए.आई.डी (NSAIDs) (जैसे, कारप्रोफेन, 1.4 मिग्रा/किलोग्राम, **एक बार** एवं केटोप्रोफेन, 3 मिग्रा/किलोग्राम, **हर 24 घंटे में 2-3 दिनों के लिए**)
- द्वितीयक संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए एंटीमाइक्रोबियल उपचार और आइसोटोनिक तरल पदार्थों के साथ पुनर्विज्ञप्ति प्रभावी उपचार है।
- बोवाइन एपेमरल फीवर के कारण दूध देने वाला पशुधन हाइपोकैल्सेमिया से भी पीड़ित हो सकता है। हाइपोकैल्सिमिया के नैदानिक लक्षणों का उपचार दूध ज्वर (बुखार) की तरह किया जाता है।

इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि मनुष्यों को बौवाइन एपेहेमरल बुखार वायरस से संक्रमण हो सकता है।

इसके अतिरिक्त कोई भी संशय होने नजदीक **कृषि विज्ञान केन्द्र** एवं **पशु चिकितसक अधिकारी** से सम्पर्क करें।

वरिष्ठ वैज्ञानिक सह-अध्यक्ष

कृषि विज्ञान केंद्र, दिल्ली